व.व.अ.सं., जोरहाट में हिंदी कार्यशाला का आयोजन
RFRI, JORHAT CONDUCTS HINDI WORKSHOP

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट में दिनांक 30 जून, 2020 को राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन सम्मेलन हॉल में किया गया। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में संस्थान के प्रमुख तकनीकी अ धिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। अथिति विशेषज्ञ के रुप में श्री अजय कुमार सिन्हा, उप-प्रबंधक (राजभाषा), भारतीय स्टेट बैंक, जोरहाट को आमंत्रित किया गया। कार्यशाला में निदेशक महोदय की गरिमामयी उपस्थिति प्रेरणादायी रही।

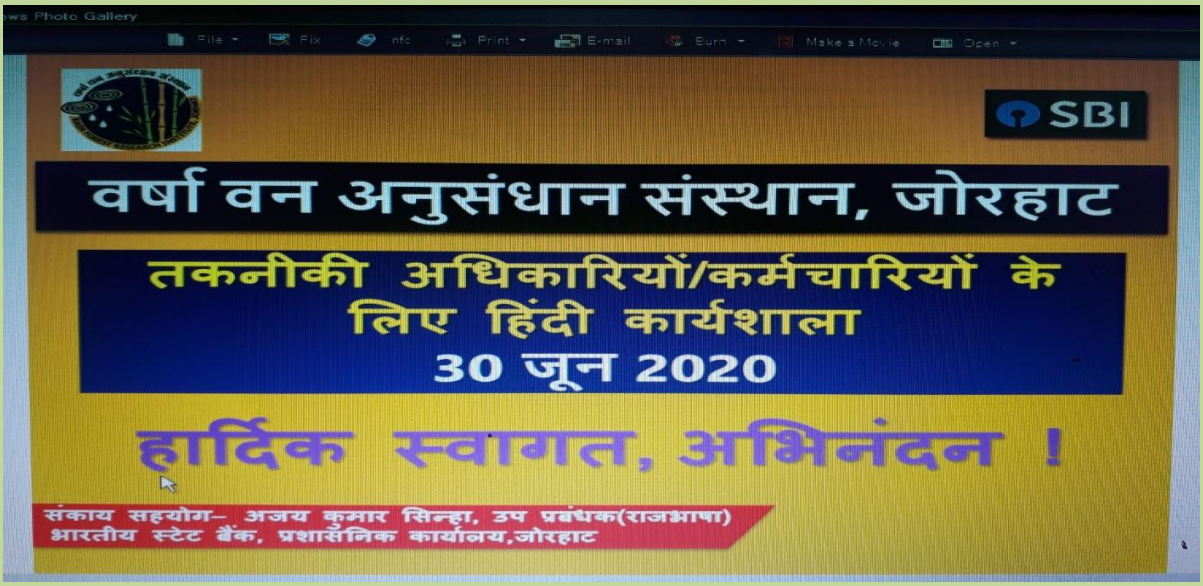

कनिष्ठ अनुवादक श्री शंकर साव ने वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट के निदेशक महोदय **डॉ. आर. एस. सी. जयराज** सहित अतिथि विशेषज्ञ **श्री अजय कुमार सिन्हा** , उप-प्रबंधक (राजभाषा), भारतीय स्टेट बैंक, जोरहाट एवं उपस्थित सभी प्रतिभागियों का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करते हुए कार्यक्रम का संचालन किया। सर्वप्रथम निदेशक महोदय ने श्री अजय कुमार सिन्हा को इस कोरोना महामारी के दौरान भी प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होने पर धन्यवाद देकर उनसे पुराने संपर्क को याद कर उनका कार्यशाला में स्वागत किया। निदेशक महोदय ने उपस्थित सभी तकनीकी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा हिन्दी के ज्ञान-विज्ञान को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कार्याशाला के महत्वपूर्ण पक्षों पर भी बल दिया तथा आगे ऐसी ही कार्शाला करवाने पर बल देते हुए सभी को शुभकामाएं दी।

व.व.अ.सं., जोरहाट में हिंदी कार्यशाला का आयोजन 2020

दिनांक 30.06.2020 को आयोजित हिन्दी कार्यशाला का दृश्य

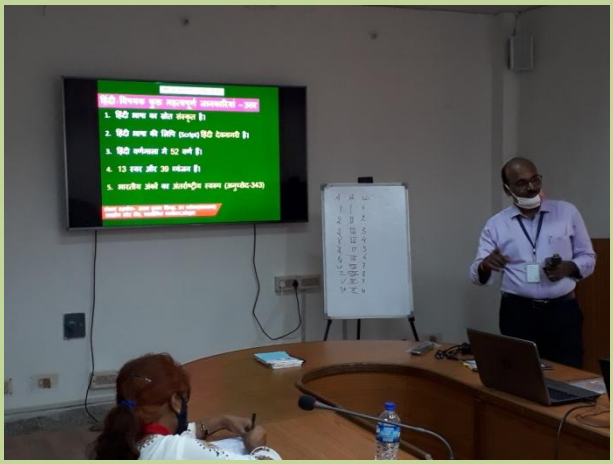

अतिथि विशेषज्ञ महोदय ने अपने संबोधन में जीवन में किसी भी भाषा के शब्द ज्ञान, वाक्य ज्ञान,भाव-ज्ञान आदि की समझ पर विस्तार से बल देते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने भाषा, साहित्य, संस्कृति पर गर्व-बोध करना सिखलाया। इसके पश्चात उन्होंने हिन्दी भाषा के विविध विषयों पर व्याख्यान दिया। इसके बाद 20 मिनट में 100 अंकों की वाक्य-वर्तनी संशोधन एवं पहेली प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अति-उत्साह से भाग लिया। अंत में उनके उत्तर पत्रों की जाँच की गई। आगे कई राउंड में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से राजभाषा हिन्दी ज्ञान पर विशेष सत्र लिया गया। तकनीकी कर्मचारी एवं अधिकारीगण उत्साह से भरपूर थे । कार्यशाला समाप्त होने के बावजूद भी सभी प्रतिभागियों में कार्यशाला के प्रति उत्साह बरकरार रहा। कार्यशाला की सफलता का श्रेय निश्चित रूप से अतिथि विशेषज्ञ महोदय के गुण, ज्ञान एवं अनुभव को जाता है। एक वाक्य में कहा जाए तो हिन्दी कार्यशाला बहुत ही उपयोगी,उद्देश्यपूर्ण एवं सफल रही।

कार्यक्रम का समापन अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्येवाद ज्ञापित कर किया गया।